शिक्षा का अधिकार

राज्य शिक्षा केन्द्र

पुस्तक भवन, बी-विंग, अरेरा हिल्स, भोपाल—462 011

दूरभाष : (0755) 2768390, 91, 92, 94, 95 फैक्स : 2552363, 2760561

क्र / राशिके / पापु / FLN / रीके / 2021 / 2520 भोपाल, दिनॉक 31/12/2021

अत्यावश्यक 'रीडिंग केम्पेन' निर्देश – 1

प्रति,

कलेक्टर,

जिला – समस्त

विषयः– '100 दिवसीय रीडिंग केम्पेन' कार्यक्रम अन्तर्गत जिला स्तर से निर्देश जारी करते हुए जनवरी 2022 से अप्रैल 2022 तक शालाओं में साप्ताहिक गतिविधियॉ आयोजित कराने के संबंध में।

आधारभूत पठन बच्चों के भावी शिक्षण का आधार है। प्रारंभिक शिक्षण की महत्ता को देखते हुए, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में उल्लेख किया गया है कि "हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता 2025 तक प्राथमिक और उससे आगे सार्वभौमिक मूलभूत साक्षरता और संख्याज्ञान प्राप्त करने की होनी चाहिए। यदि हम सबसे पहले इस महत्त्वपूर्ण मूलभूत शिक्षण (अर्थात प्रारंभिक स्तर पर पठन, लेखन और गणितीय कौशल) को प्राप्त नहीं कर पाते हैं, तो शेष नीति हमारे छात्रों की एक बड़ी संख्या के लिए मुख्य रूप से अप्रासंगिक हो जाएगी।" इस दिशा में, शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा 100 दिवसीय 'रीडिंग कंपेन' संचालित किया जा रहा है।

यह कार्यक्रम जनवरी 2022 से अप्रैल 2022 तक कुल 14 सप्ताह तक आयोजित करते हुए बच्चों में पठन कौशल विकसित करने हेतु विशेष प्रयास किए जाना हैं। इस हेतु भारत सरकार से प्राप्त दिशा–निर्देश एवं सप्ताहवार गतिविधियों को परिशिष्ट के रूप में संलग्न किया जा रहा है। कृपया सुनिश्चित करें कि उक्त गतिविधियाँ समस्त शासकीय शालाओं में आयोजित की जाए। राज्य द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे गूगल ट्रेकर पर प्रति सप्ताह आयोजित की गई गतिविधियों की दो–दो फोटो, शाला स्तर पर किए गए नवाचार की जानकारी, जिले स्तर से जारी प्रशंसा पत्र आदि को अपलोड करने हेतु जिला स्तर से ए.पी.सी. अकादमिक एवं जिला प्रोग्रामर का संयुक्त उत्तरदायित्व निर्धारित करें। चूँकि यह अत्यन्त महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्यक्रम है, अतः कृपया इसकी निरंतर समीक्षा स्वयं साप्ताहिक रूप से करें।

(साप्ताहिक गतिविधि विवरण संलग्न)

(धनराजू एस.)

संचालक

राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल

पृ.क्र/राशिके/पापु/FLN/ रीके / 2021 / 2521 भोपाल, दिनांक 31/12/2021

प्रतिलिपि :-

1) सचिव, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार नई-दिल्ली की ओर सूचनार्थ।
2) निज सचिव, माननीय मंत्री, मध्यप्रदेश शासन, स्कूल शिक्षा विभाग की ओर सादर सूचनार्थ।
3) प्रमुख सचिव, मध्यप्रदेश शासन, स्कूल शिक्षा विभाग की ओर सादर सूचनार्थ।
4) मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत, समस्त जिला की ओर सूचनार्थ एवं पालनार्थ।
5) संयुक्त संचालक, समस्त संभाग की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही विषयक।

||2||

6) प्राचार्य, IASE, SISE, CTE की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाही विषयक।
7) जिला शिक्षा अधिकारी, समस्त जिला की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाही विषयक।
8) सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग, समस्त संबंधित जिला की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाही विषयक।
9) प्राचार्य, डाइट/डी.आर.सी. जिला समस्त की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाही विषयक।
10) जिला परियोजना समन्वयक, जिला समस्त की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाही विषयक।
11) विकासखण्ड स्रोत समन्वयक, समस्त विकासखण्ड की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाही हेतु।
12) संकुल प्राचार्य, समस्त की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाही विषयक।
13) प्रधनाध्यापक/प्रभारी प्रधानाध्यापक की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाही विषयक।
14) आई.सी.टी. कक्ष पत्र एवं परिशिष्ट पोर्टल पर अपलोड करने विषयक।

संचालक

जिला शिक्षा केन्द्र,सिवनी

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

EMAIL - zskseoni@rediffmail.com & zskseoni@gmail.com

सिवनी, दिनांक 04/01/2022

पृक/809/जि.शि.के./रीडिंग केम्पेन/2021

प्रतिलिपि –

1. विकासखण्ड स्त्रोत केन्द्र समन्वयक जनपद शिक्षा केन्द्र समस्त जिला सिवनी की ओर सूचनार्थ कर लेख है,कि राज्य शिक्षा केन्द्र के पत्र क/राशिके/पापु/FLN/री.के./2021/2420 भोपाल दिनांक 31/12/2021 का अवलोकन करें। पत्र में दी गई गतिविधियॉ का आयोजन समस्त शासकीय शालाओं में कराते हुए मानीटरिंग करे। साथ ही साप्ताहिक गतिविधियों की दो–दो फोटो एवं शाला स्तर पर किए गए नवाचार की जानकारी कार्यालय को प्रत्येक शुकवार को दोप. 12 बजे तक उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
2. जनशिक्षा केन्द्र प्रभारी/जनशिक्षक, समस्त जिला सिवनी की ओर सूचनार्थ कर लेख है कि शाला स्तर पर साप्ताहिक गतिविधियॉ सुनिश्चित करावे, साथ ही साप्ताहिक गतिविधियों मय फोटोग्राफ सहित अपने बीआरसीसी को उंपलब्ध करावे।
3. प्रधानपाठक/संस्था प्रमुख समस्त शास.प्राथ/माध्य.शाला की ओर सूचनार्थ कर लेख है कि पत्र की फोटोकापी कराके अपनी फाइल में रखे। विद्यालय में उपलब्ध पुस्तकालय का सही संधारण करते हुए दिये गये निर्देशानुसार साप्ताहिक गतिविधियों का आयोजन किया जावे एवं किये गये कार्यो का साप्ताहिक रिकार्ड रखा जावे, जिससे शाला भ्रमाण के दौरान अवलोकन किया जा सकेगा।

जिला परियोजना समन्वयक
जिला शिक्षा केन्द्र,सिवनी

शिक्षा का अधिकार

राज्य शिक्षा केन्द्र

पुस्तक भवन, बी–विंग, अरेरा हिल्स, भोपाल—462 011

दूरभाष : (0755) 2768390, 91, 92, 94, 95 फैक्स : 2552363, 2760561

क्र / राशिक / पापु / FLN / रीके / 2021 / 2520 भोपाल, दिनॉक 31/12/2021

अत्यावश्यक 'रीडिंग केम्पेन' निर्देश – 1

प्रति,

कलेक्टर,

जिला – समस्त

विषयः– '100 दिवसीय रीडिंग केम्पेन' कार्यक्रम अन्तर्गत जिला स्तर से निर्देश जारी करते हुए जनवरी 2022 से अप्रैल 2022 तक शालाओं में साप्ताहिक गतिविधियॉ आयोजित कराने के संबंध में।

आधार भूत पठन बच्चों के भावी शिक्षण का आधार है। प्रारंभिक शिक्षण की महत्ता को देखते हुए, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में उल्लेख किया गया है कि "हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता 2025 तक प्राथमिक और उससे आगे सार्वभौमिक मूलभूत साक्षरता और संख्याज्ञान प्राप्त करने की होनी चाहिए। यदि हम सबसे पहले इस महत्वपूर्ण मूलभूत शिक्षण (अर्थात प्रारंभिक स्तर पर पठन, लेखन और गणितीय कौशल) को प्राप्त नहीं कर पाते हैं, तो शेष नीति हमारे छात्रों की एक बड़ी संख्या के लिए मुख्य रूप से अप्रासंगिक हो जाएगी।" इस दिशा में, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 100 दिवसीय 'रीडिंग कंम्पेन' संचालित किया जा रहा है।

यह कार्यक्रम जनवरी 2022 से अप्रैल 2022 तक कुल 14 सप्ताह तक आयोजित करते हुए बच्चों में पठन कौशल विकसित करने हेतु विशेष प्रयास किए जाना हैं। इस हेतु भारत सरकार से प्राप्त दिशा–निर्देश एवं ग्रेडवार गतिविधियों को परिशिष्ट के रूप में संलग्न किया गया है। कृपया सुनिश्चित करें कि उक्त गतिविधियॉं समस्त शासकीय शालाओं में आयोजित की जाए। राज्य द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे गूगल ट्रेकर पर प्रति सप्ताह आयोजित की गई गतिविधियों की दो–दो फोटो, शाला स्तर पर किए गए नवाचार की जानकारी, जिले स्तर से जारी प्रशंसा पत्र आदि को अपलोड करने हेतु जिला स्तर से ए.पी.सी. अकादमिक एवं जिला प्रोग्रामर का संयुक्त उत्तरदायित्व निर्धारित करें। चूँकि यह अत्यन्त महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्यक्रम है, अतः कृपया इसकी निरंतर समीक्षा स्वयं साप्ताहिक रूप से करें।

(साप्ताहिक गतिविधि विवरण संलग्न)

(धनराजू एस.) 31/12/2021

संचालक

राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल

पृ.क्र/राशिके/पापु/FLN/ रीके / 2021 / 2521 भोपाल, दिनांक 31/12/2021

प्रतिलिपि :–

1) सचिव, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार नई–दिल्ली की ओर सूचनार्थ।
2) निज सचिव, माननीय मंत्री, मध्यप्रदेश शासन, स्कूल शिक्षा विभाग की ओर सादर सूचनार्थ।
3) प्रमुख सचिव, मध्यप्रदेश शासन, स्कूल शिक्षा विभाग की ओर सादर सूचनार्थ।
4) मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत, समस्त जिला की ओर सूचनार्थ एवं पालनार्थ।
5) संयुक्त संचालक, समस्त संभाग की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाही विषयक।

6) प्राचार्य, IASE, SISE, CTE की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाही विषयक।
7) जिला शिक्षा अधिकारी, समस्त जिला की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाही विषयक।
8) सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग, समस्त संबंधित जिला की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाही विषयक।
9) प्राचार्य, डाइट/डी.आर.सी. जिला समस्त की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाही विषयक।
10) जिला परियोजना समन्वयक, जिला समस्त की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाही विषयक।
11) विकासखण्ड स्रोत समन्वयक, समस्त विकासखण्ड की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाही हेतु।
12) संकुल प्राचार्य, समस्त की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाही विषयक।
13) प्रधनाध्यापक/प्रभारी प्रधानाध्यापक की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाही विषयक।
14) आई.सी.टी. कक्ष पत्र एवं परिशिष्ट पोर्टल पर अपलोड करने विषयक।

संचालक
राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल

100 दिवसीय 'रीडिंग कैम्पेन' हेतु निर्देशिका

(जनवरी 2022 से अप्रैल 2022) कुल 14 सप्ताह हेतु

I. संदर्भ: -

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग ने 5 जुलाई 2021 को NIPUN भारत नाम मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता के लिए एक राष्ट्रीय मिशन शुरू किया है। मिशन का उद्देश्य 3 से 9 वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों की सीखने की जरूरतों को पूरा करना है। जैसा कि विभिन्न अंतरराष्ट्रीय शोधों द्वारा स्थापित किया गया है, मूलभूत शिक्षा एक बच्चे के लिए भविष्य में सीखने का आधार है। समझ के साथ पढ़ने, लिखने और गणित के बुनियादी कार्यों को करने में सक्षम होने के बुनियादी मूलभूत कौशल को प्राप्त नहीं करने से बच्चे को कक्षा 3 से आगे के पाठ्यक्रम की जटिलताओं के लिए तैयार नहीं किया जाता है।

प्रारंभिक शिक्षा के महत्व को स्वीकार करते हुए, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 इस बात पर जोर देती है कि प्राथमिक विद्यालयों में सार्वभौमिक आधारभूत साक्षरता और संख्यात्मकता हासिल करना उच्चतम प्राथमिकता देनी चाहिए। इसके अलावा, इसमें कहा गया है कि, यदि यह सबसे बुनियादी शिक्षा (यानी, बुनियादी स्तर पर पढ़ना, लिखना और अंकगणित) पहले हासिल नहीं की जाती है, तो इस नीति का बाकी का हिस्सा हमारे छात्रों के एक बड़े हिस्से के लिए काफी हद तक अप्रासंगिक हो जाएगा।नेशनल अचीवमेंट सर्वे (एनएएस) सहित भारत में लर्निंग प्रोफाइल के विभिन्न अध्ययनों ने बताया है कि कई बच्चे एक साधारण ग्रेड अनुरूप पैसेज को पढ़ने में सक्षम नहीं हैं। लेकिन, पाठ्यक्रम और संबंधित पाठ्यपुस्तकें इस उम्मीद के साथ तैयार की गई हैं कि बच्चों ने ग्रेड-स्तरीय कौशल हासिल कर लिया है और वे आगे बढ़ सकते हैं। इसी संदर्भ में, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग एक राष्ट्रव्यापी पठन अभियान शुरू कर रहा है ताकि प्रत्येक बच्चा पढ़ना सीखे और उसके बाद, सीखने के लिए पढ़ सके।

II. पढ़ना महत्वपूर्ण क्यों है –

पढ़ना सीखने की नींव है, जो बच्चों को स्वतंत्र रूप से पुस्तकें पढ़ने के लिए प्रेरित करता है, रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच, शब्दावली और मौखिक और लिखित दोनों में व्यक्त करने की क्षमता विकसित करता है। यह बच्चों को उनके परिवेश और वास्तविक जीवन से जोड़ने में मदद करता है। इस प्रकार, एक अनुकूल वातावरण बनाने की आवश्यकता है जिसमें बच्चे आनंद के लिए पढ़ें और अपने कौशल को एक ऐसी प्रक्रिया के माध्यम से विकसित करें जो आनंददायक और धारणीय हों और जो जीवन भर उनके साथ रहे।

विभिन्न शोध अध्ययनों में सीखने के परिणामों को बेहतर बनाने में पढ़ने के योगदान का उल्लेख किया है। यह भाषा और लेखन कौशल पर नियंत्रण विकसित करने की दिशा में एक कदम है। बोलने से भिन्न , पढ़ना एक ऐसा कौशल है जो मनुष्यों में स्वाभाविक रूप से नहीं आता है और इसे सीखने की आवश्यकता होती है। पठन, पाठ और पाठक के बीच एक अंतःक्रिया है, जिसमें न केवल शब्दों के अर्थ को समझना शामिल है, बल्कि पाठ के पीछे के बहुस्तरीय अर्थ को समझना भी शामिल है। इसके लिए निरंतर अभ्यास, विकास और शोधन की आवश्यकता होती है। प्रारंभिक चरण में पढ़ने में वर्णमाला ज्ञान शामिल होता है जिसमें कम समय की अवधि के लिए नामकरण और उनके साथ जुड़े नामों और ध्वनियों की पहचान करना, ध्वन्यात्मक जागरूकता जिसमें बोली जाने वाली भाषा को पहचानने, समझने या विश्लेषण करने में सक्षम होना, पत्र लिखना, शब्दावली, याद रखने और समझने के लिए बोली जाने वाली भाषा की सामग्री शामिल है। पठन कौशल अवधारणाएं (उदाहरण - बाएं दाएं, आगे पीछे पढ़ना), प्रिंट जागरूकता में दृश्य चित्रों/प्रतीकों में समानता अथवा भिन्नता की पहचान शामिल है।

भाषा सीखना- एक दैनिक प्रक्रिया –

बच्चे अपने दैनिक जीवन में भाषा को समझे बिना उससे जुड़ते हैं। वे किसी न किसी रूप में भाषा का उपयोग करते हैं और भाषा के बारे में अपने ज्ञान का भी उपयोग करते हैं। वे अपने बड़ों एवं शिक्षकों को संबोधित करना जानते हैं। वे बातचीत सुनते हैं, रेडियो भी हो सकता है , टेलीविजन भी देखते हैं- ये वे स्रोत हैं जिनसे वे अपनी भाषा ग्रहण करते हैं और संचार के लिए इसका इस्तेमाल करते हैं। हमारे घरों में बहुत सारी लिखित और मुद्रित सामग्री उपलब्ध होती है जैसे-घर की नंबर प्लेट , घर की दीवारों पर लोक कला(मांडना), कैलेंडर , गैस चूल्हे पर कंपनी का नाम, बर्तनों पर खुदे परिवार के मुखिया का नाम, बाहों पर नाम (गोदना), अखबार का पन्ना; खरीदारी की सूची; टूथपेस्ट बॉक्स आदि।

महत्वपूर्ण यह है कि लेखन या मुद्रित सामग्री पर कितना ध्यान दिया जाता है। बच्चों में स्कूल आने से पहले ही पढ़ने-लिखने की समझ विकसित हो जाती है। बच्चों के इस पूर्व-ज्ञान को उनके साक्षरता कौशल के विकास का आधार माना जा सकता है।

III. पढ़ने और लिखने को समझना -

(i) बच्चे अपने चारों ओर लिखित सामग्री पढ़ना शुरू करते हैं, जैसे बिस्कुट और टॉफ़ी के रैपर के शब्द , सड़क के किनारे के पोस्टर/विज्ञापन, दीवार के नारे, घर पर समाचार पत्र, घर और स्कूल में कहानी की किताबें, पत्र /पोस्टकार्ड इत्यादि। जैसे ही बच्चे कलम, पेंसिल, चाक पकड़ना शुरू करते हैं, वे टूटा फूटा लिखना शुरू कर देते हैं और उनमें कुछ अर्थ या संदेश जोड़ने का प्रयास करते हैं - यह भी लेखन की शुरुआत का एक हिस्सा है। वास्तव में, पढ़ने और लिखने की अनुभूति भी

दिन-प्रतिदिन के सार्थक और व्यावहारिक संदर्भों में मौखिक भाषा के विकास की तरह विकसित होती है। पढ़ने वाले बच्चे अक्सर बेहतर शिक्षार्थी बन जाते हैं, जिससे उन्हें स्कूल और जीवन के अन्य क्षेत्रों में सफलता मिलती है।

(ii) पढ़ने की सभी स्थितियों में लक्ष्य 'समझना' होना चाहिए। यह जरूरी है कि मुद्रित पाठ में जो संदेश दिया गया है उसे समझा जाए और उसका आनंद लिया जाए।

(iii) पढ़ना छात्रों को स्वतंत्र रूप से किताबें पढ़ने, रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच, शब्दावली विकसित करने और मौखिक और लिखित दोनों में व्यक्त करने की क्षमता विकसित करने के लिए प्रेरित करता है।

(iv) लेखन भी विचारों को समझने और दूसरों के साथ साझा करने की एक प्रक्रिया है। इसमें न केवल शब्दों को एक साथ जोड़ने की प्रक्रिया शामिल है, बल्कि यह ज्ञान, सूचना और विचारों को एक सुसंगत तरीके से साझा करने की एक व्यवस्थित प्रक्रिया है। लेखन बच्चों को अपने विचारों का पता लगाने, आकार देने , स्पष्ट करने और उन्हें दूसरों तक पहुंचाने में सक्षम बनाता है। प्रभावी लेखन रणनीतियों का उपयोग करके, बच्चे विचारों को खोजते और परिष्कृत करते हैं और बढ़ते आत्मविश्वास और कौशल के साथ रचना और संशोधन करते हैं।

(v) बच्चों की लिखित भाषा की समझ ज्यादातर उनके प्रभावी उपयोग और मौखिक भाषा की समझ पर निर्भर करती है। ज्ञान के लिए अपना औपचारिक निर्देशात्मक प्रशिक्षण शुरू करने से पहले ही, बच्चे अपने आसपास के साक्षरता वातावरण के साथ बातचीत करना शुरू कर देते हैं और प्रतीकों और उनके अर्थों के बीच संबंध बनाना शुरू कर देते हैं।

बच्चों में पढ़ने की आदत कैसे विकसित करें ? -

- विभिन्न प्रकार की सरल और दिलचस्प कहानी की किताबों की उपलब्धता और पहुंच, जिन्हें आकर्षक चित्रों और विशेष रूप से बच्चों की कक्षाओं में कॉमिक पुस्तकों और चुटकुलों की किताबों के साथ चित्रित किया गया है।
- पुस्तकों के साथ जुड़ाव और पढ़ने की आदत विकसित करने के लिए आयोजित की जाने वाली गतिविधियां जैसे- जोर से पढ़ना, साझा पठन, उनके द्वारा पढ़ी गई किताबों पर चर्चा, रोल प्ले, शब्द खेल जैसे " I spy something here that looks lik ..." आदि हो सकती हैं |

गतिविधि के माध्यम से पढ़ने को मनोरंजक कैसे बनाया जाए : राजस्थान की एक केस स्टडी :-

बच्चों में आजीवन पढ़ने की आदत डालने के लिए, यह महत्वपूर्ण है कि हम पढ़ने को मनोरंजक और रोचक बनाएं। इसलिए गतिविधि आधारित विधि पढ़ने के अनुभव को रोमांचक और आनंदमय बनाने में सबसे प्रभावी है। इसका एक वास्तविक उदाहरण राजस्थान राज्य में देखने को मिलता है, जहां दौसा जिले के सिकराय प्रखंड स्थित एक प्राथमिक विद्यालय में एक शिक्षक (मधु चौहान) पदस्थ थी । जब वे शाला में आयीं तब उन्होंने पाया कि स्कूल में नामांकन 32 बच्चों का था लेकिन मुश्किल से 7-8 बच्चे स्कूल आ रहे थे। उन्होंने कारणों का पता लगाने की कोशिश की और उन्हें बताया गया कि बच्चों के माता-पिता सुबह जल्दी काम पर चले जाते हैं और बच्चे जानवरों को चराने जाते हैं और पूरे दिन (कंचे) खेलते हैं। वह समझ गई थी कि उसे माता-पिता का ज्यादा सहयोग नहीं मिलेगा, इसलिए उसने खुद पहल करने का फैसला किया। अगले दिन से वह स्कूल के खेल के मैदान में कंचों से खेलने लगी। चूँकि शिक्षिका उन्हें खेलना नहीं जानती थी, उसने बच्चों से उसे सिखाने के लिए कहा। यह बात जल्द ही गांव में फैल गई कि शिक्षक भी स्कूल में कंचों से खेल रही है, इसलिए जो बच्चे स्कूल नहीं आ रहे थे, वे भी स्कूल आए और खेल में भाग लिया और शिक्षक को भी खेल खेलना सिखाया। यह सिलसिला कुछ दिनों तक चलता रहा जब तक कि सभी छात्र स्कूल नहीं आने लगे। फिर, शिक्षक ने संख्या की अवधारणा का परिचय दिया और कंचों पर 0 से 9 संख्याएँ लिखीं और बच्चों को बड़ी संख्या पर हिट करने के लिए कहा और उन्हें खेल के माध्यम से एक अंक जोड़ना और घटाना सिखाया। कुछ समय बाद उन्होंने कंचो पर हिन्दी के अक्षर लिखे और छात्रों से उन्हें इस तरह से मारने के लिए कहा जिससे शब्द बनते हैं।

इस प्रयास ने न केवल स्कूल में छात्रों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित की बल्कि उन्हें भाषा और अंकगणित की अवधारणा से भी आनंदपूर्वक परिचित कराया।

IV –लक्षित समूह :

बालवाटिका से कक्षा आठ तक में पढ़ने वाले बच्चे इस अभियान का हिस्सा होंगे. उन्हें आगे तीन समूहों में कक्षावार वर्गीकृत किया जाएगा:

ग्रुप I: बालवाटिका से ग्रेड II

ग्रुप II: ग्रेड III से ग्रेड V

ग्रुप III: ग्रेड VI से ग्रेड VIII

V. अभियान की अवधि:

रीडिंग अभियान 100 दिनों के लिए आयोजित किया जाएगा, जनवरी 2022 से अप्रैल 2022 तक (14 सप्ताह)|

VI. बच्चों तक कैसे पहुँचें?-

- स्कूल, घर और मोहल्ले, और स्थानीय स्वशासन की पूर्ण भागीदारी से।
- आईवीआर सेवा, मोबाइल पुस्तकालय

- सीएसओ भागीदार जहां वे काम कर रहे हैं
- एससीईआरटी/डाइट्स/स्कूल के प्रधानाचार्यों/शिक्षकों को पठन सामग्री चुनने के लिए, जिसमें ऑनलाइन/ऑफलाइन कहानी की किताबें, चुटकुलों की किताबें, कॉमिक किताबें, कविता/ राइम की किताबें, हलके - गाने और रैप गाने, बाजार की खरीदारी की वस्तुओं के रैपर, फ्लैश कार्ड और आई स्पाई वर्ड/वाक्य कार्ड,
- बीआरसीएस/सीआरसीएस/माता-पिता/परिवार के सदस्य/स्वयंसेवक माध्यमिक/ वरिष्ठ माध्यमिक/कॉलेज के छात्रों/एनएसएस/एनवाईकेएस की भागीदारी शामिल
- छात्रों, शिक्षकों, माता-पिता, कामकाजी पेशेवरों, मशहूर हस्तियों और सरकारी प्रतिनिधियों को शामिल करना|

VII. अभियान के लिए रणनीति: -

- पठन अभियान का उद्देश्य बच्चों, शिक्षकों, अभिभावकों, समुदाय, शैक्षिक प्रशासकों आदि सहित राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर सभी हितधारकों की भागीदारी है।
- यह 100 दिवसीय अभियान चौदह सप्ताह तक जारी रहेगा और प्रति सप्ताह -प्रति समूह एक गतिविधि होगी जिसमे पढ़ने को मनोरंजक बनाने और पढ़ने की खुशी के साथ आजीवन जुड़ाव रखने पर ध्यान देने के उद्धेश्य से तैयार किया गया है।
- इस अभियान द्वारा प्राप्त किए जाने वाले विकासात्मक लक्ष्य/सीखने के परिणाम भी गतिविधि कैलेंडर में दिए गए हैं। गतिविधियों का साप्ताहिक कलैण्डर कक्षावार तैयार किया गया है जिसे बच्चों को शिक्षकों, माता-पिता, साथियों, भाई-बहनों या परिवार के अन्य सदस्यों की सहायता से करना चाहिए।
- अभियान को प्रभावी बनाने के लिए प्रति सप्ताह केवल एक गतिविधि होगी ताकि बच्चे दिए गए सप्ताह में गतिविधि को दोहरा सकें और अंततः साथियों और भाई-बहनों के साथ इसे स्वतंत्र रूप से समझने और संचालित करने में सक्षम हो सकें। डिज़ाइन की गई गतिविधियों को सरल और मनोरंजक रखा गया है और इन्हें घर पर उपलब्ध सामग्री/संसाधनों के साथ आसानी से संचालित किया जा सकता है।
- समूहवार गतिविधियां अनुलग्नक I और II में हैं।

> • अनुलग्नक I में दी गई गतिविधियों की सूची प्रकृति में लचीली है और इसे आवश्यकताओं के अनुसार प्रासंगिक बनाया जा सकता है।
> • अभियान के दौरान कोई भी अतिरिक्त आयु उपयुक्त गतिविधि जोड़ सकते हैं जो पढ़ने को आनंदमय और आकर्षक बना सकती है।

अभियान की गति को बनाए रखने के निम्नलिखित गतिविधियां की जाएंगी: -

- टॉयकैथॉन की तर्ज पर 'रीडथॉन' का आयोजन जागरूकता अभियान: प्रेस विज्ञप्तियां, सोशल मीडिया अभियान, इन्फोग्राफिक्स इत्यादि।
- माननीय शिक्षा मंत्री , राज्य के मंत्रियों , मुख्यमंत्री, राज्य के शिक्षा मंत्री आदि द्वारा क्षेत्रीय भाषाओं में कहानी सुनाना |
- पढ़ने के महत्व पर वेबिनार |
- बाल पुस्तकों के लेखकों (रस्किन बॉन्ड, सुधा मूर्ति, नीलेश मिश्रा आदि का कहानी वाचन हेतु) वीडियो/ऑडियो संदेश |
- क्षेत्रीय भाषाओं में शिक्षकों के साथ-साथ समुदाय के सदस्यों द्वारा कहानियों का जोर से वाचन | सीएसओएस, एफएम चैनलों, समाचार पत्रों के साथ साझेदारी (स्थानीय और क्षेत्रीय) राज्य और केंद्र शासित प्रदेश के स्तर पर निम्नलिखित गतिविधिया अनुशंसित हैं |
- माता-पिता और दादा-दादी को शामिल करके आयोजित किए जाने वाले कहानी वाचन सत्र| माता-पिता, शिक्षकों, छात्रों, समुदाय के सदस्यों, SCERTS, आहार और स्थानीय के लिए गहन जागरूकता अभियान चलाएं। निकायों को इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभानी है।
- लोकप्रिय /प्रसिद्ध लोगो द्वारा कहानी सुनाने के सत्र शुरू किए जा सकते हैं। माता-पिता / दादा-दादी द्वारा कहानी सत्रों को प्रोत्साहित करके बढ़ावा दिया जा सकता है। स्थानीय कलाकारों को शामिल करते हुए स्थानीय लोकगीत, गीत, तुकबंदी आदि का आयोजन एवं प्रोत्साहन।
- पठन आदतों को बढ़ावा देने के लिए छात्रों को ग्रेड उपयुक्त अतिरिक्त पठन सामग्री, पुस्तकालय की किताबें आदि का प्रदान | पंचायत/क्लस्टर/ विकास खंड स्तर पर पठन मेलों का आयोजन करें और पठन गतिविधियों के संचालन के लिए स्कूल प्रबंधन समितियों (एसएमसी), स्वयंसेवकों आदि को शामिल करें। सुनिश्चित करें कि इन 100 दिनों में गतिविधि कैलेंडर का पालन किया जाए और Google ट्रेकर में अच्छी गुणवत्ता वाली तस्वीरें, वीडियो और प्रशंसापत्र अपलोड किए जाएँ । सीएसओएस, एफएम चैनलों, स्थानीय रेडियो/टीवी चैनलों, समाचार पत्रों (स्थानीय और क्षेत्रीय) के साथ साझेदारी।
- 21 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रूप में मनाया जाना- इस अवधि के दौरान <u>कहानी पढ़ो अपनी भाषा में</u> (अपनी भाषा में कहानी पढ़ना का आयोजन) पूरे देश में किया जाना |

VIII .संसाधन: -

- दीक्षा पोर्टल के एफएलएन वर्टिकल में विभिन्न संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे,जैसे '<u>कहानियों का पिटारा</u>' इत्यादि।
- राज्य और केंद्र शासित प्रदेश, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी), नेशनल बुक ट्रस्ट (एनर्ब ़ी) स्टोरी वीवर (https://storyweaver.org.in) जैसे, प्रथम पुस्तकें (https://prathambooks.org), रूम रीड क्लाउ ट्र (https://literacycloud.org), आदि जैसे अन्य संसाधनों का भी पता लगा सकते हैं। ।

IX. दस्तावेज़ीकरण: -

- राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को गतिविधियों का दस्तावेजीकरण करने और लघु वीडियो, प्रशंसापत्र बनाने के लिए प्रोत्स ाहित किया जाएगा तथा अभियान की अच्छी छवियां एवं उपयोगी पाए गए संसाधनों को दीक्षा के एफएलएन वर्टिकल और सर्वोत्तम कार्यों को DOSE&L वेबसाइट पर रिपोसिटरी के रूप में अपलोड किया जाएगा।
- उपरोक्त संसाधनों को अपलोड करने के लिए एक Google ट्रैकर विकसित किया जाएगा। Google ट्रैकर का लिंक जल्द ही साझा किया जाएगा |

बालवाटिका व कक्षा 1 और 2 के लिए गतिविधियाँ

हमारा लक्ष्य विकासात्मक एवं सीखने के प्रतिफलों को प्राप्त करना:

- प्रभावी संप्रेषक
  - ✓ आलोचनात्मक और रचनात्मक सोच
  - ✓ विभिन्न प्रकार की सूचनाओं का पता लगाने, समझने और प्रतिक्रिया करने की क्षमता
- सीखने में सक्रीय भागीदारी

सप्ताह क्रमांक	गतिविधि	आवश्यक संसाधन
सप्ताह 1	**स्कूल पुस्तकालय को व्यवस्थित करना तथा अवलोकन** • अगर शाला में अतिरिक्त कक्ष उपलब्ध है तो पुस्तकालय के लिए उसे तैयार किया जाए अथवा कक्षा के किसी एक कोने को रीडिंग कार्नर के रूप में विकसित किया जाए. • रीडिंग कॉर्नर (पठन कोनों) में पुस्तकों को प्रदर्शित करने की उचित व्यवस्था बनाई जाये । पुस्तकों को इस तरह प्रदर्शित किया जाना चाहिए कि बच्चे अपनी पसंद की पुस्तक चुन सकें। • सभी बच्चे स्कूल के पुस्तकालय/कार्नर में जाएँ और उपलब्ध पुस्तकों को देखें। • प्रत्येक बच्चे को चौथे सप्ताह में पढ़ने और उसके बारे में बताने के लिए उसके पठन स्तर अनुरूप एक पुस्तक स्वयं चुनने के अवसर दिए जाएँ । • घर पर किताब पढ़ते समय परिवार के एक वयस्क को बच्चे के प्रोत्साहित करने के लिए साथ होना चाहिए ।	उपलब्धता अनुसार किताबों को प्रदर्शित करने के लिए डोरी/रस्सी/अलमारी/रैक पुस्तकालय की किताबें
	वर्णमाला संसार (बालवाटिका) • बच्चे अपनी उंगलियों को बालू/राख को एक ट्रे में रखकर वर्णमाला के वर्णों को बनाने का अभ्यास करें । • बच्चों को गीली मिट्टी की मदद से अक्षर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है।	• बालू/राख के साथ ट्रे •गीली मिट्टी
	पारिवार की कहानियाँ (कक्षा 1, 2) • परिवार के सदस्यों के बारे में कहानियाँ बनाने में बच्चे की मदद करें। • उन्हें इन कहानियों को लिखने दें चित्र/टेक्स्ट के रूप में और अगर पुरानी पारिवारिक तस्वीरें उपलब्ध हों तो लगाने को बोले । • बच्चें जो चित्र या टेक्स्ट कहानी के रूप में बनाया/लिखा है उसे सहपाठियों को पढ़ने दें कि छुट्टियों, जन्मदिन और पारिवारिक छुट्टियों जैसे विशेष दिनों में क्या हुआ।	• किसी संसाधन की आवश्यकता नहीं
सप्ताह 2	**फल और फूल** • छात्रों को आसपास उपलब्ध फूलों या फलों के नाम बताने को कहें तथा जो लिख सकते हैं वह सूची बनाएं • छात्रों से उनकी पसंद का फल या फूल बताने को कहें तथा • छात्र को अगले दिन कक्षा में दिए गए कार्य में अपनी पसंद के फल/फूल के बारे में कक्षा में बताने को कहें जैसे-रंग, आकर, स्वाद, किस मौसम में मिलता है, दाम आदि • अगर सम्बंधित फल/फूल के बारे में पुस्तकालय अथवा घर पर लिखित सामग्री उपलब्ध है तो उसे पढ़ने के लिए कहें.	• पठन सामग्री या फूल और फल सम्बंधित किताबें

	'नाम, जानवर, चीज, फूल, फल' का खेल खेला जा सकता है, जहां टीमों को इन शब्दों के साथ बाहर आना होता है जो दिए गए अक्षर से शुरू होते हैं। उदाहरण - मानसी, मगर, मशीन, मोगरा, मोसंबी	
सप्ताह 3	**हावभाव के साथ कविता सुनाना** • छात्रों से कहें कि वे अपनी पसंद की कविताएं पढ़ें/सुनाएँ । गतिविधि को आगे बढ़ाते हुए वे शिक्षकों की सहायता से कविता से सम्बंधित रोलप्ले कर सकते हैं	• पठन सामग्री या कुछ कविताओं वाली किताबें
सप्ताह 4	**साझा पठन** • प्रारंभिक साक्षरता के लिए साझा पठन महत्वपूर्ण है और कक्षा 1 और कक्षा 2 के बच्चों के लिए सबसे प्रभावी है। • शिक्षक को बच्चों के साथ घेरे में बैठकर कहानी की किताब पढ़कर सुनानी है है और साथ ही उनका ध्यान किताब के पाठ और चित्रों की ओर आकर्षित करना है, बच्चे बोले गए शब्दों को लिखित शब्द से मिलाते हैं और धीरे-धीरे किताब पढ़ने की कोशिश करते हैं। इस प्रक्रिया के माध्यम से बच्चे सीखते हैं कि शिक्षक कैसे भावों के साथ बाएं से दाएं किताबों को पढ़ते हैं।	• पठन सामग्री या कहानियां और तस्वीरें वाली किताबें
	स्कूल पुस्तकालय अवलोकन • प्रत्येक बच्चे को पढ़ी गई पुस्तक के बारे में बताना है जो उन्होंने पुस्तकालय से सप्ताह 1 में पढ़ने के लिए ली थी। हर सप्ताह पढ़ने के लिएबच्चों को पठन स्तर अनुरूप उपयुक्त पुस्तकें पढ़ने के लिए दें ।	पुस्तकालय की किताबें
सप्ताह 5	**कहानी को फिर से बताएं** • कहानी का सारांश: बच्चों को पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें और फिर पढ़ी गई/सुनी गई कहानी को लगभग 5 वाक्यों में सारांशित करने के लिए कहें। • इस तरह की गतिविधि से उन्हें कहानी के बारे में शुरुआत से लेकर अंत तक सोचने में मदद मिलती है। यह उन्हें कहानी के महत्वपूर्ण और गैर-महत्वपूर्ण तत्वों को समझने और उनके बीच अंतर करने में भी मदद करता है।	• पठन सामग्री या कहानियां और तस्वीरें वाली किताबें • कहानियों को सारांशित करने के लिए वर्कशीट
सप्ताह 6	**शीर्षक वृक्ष** • कहानी पढ़ने/सुनने के बाद बच्चों को किसी विशेष कहानी के वैकल्पिक शीर्षकों के बारे में सोचने के लिए प्रोत्साहित करें। • शिक्षक बोर्ड पर शीर्षक वृक्ष बनाते हुए इस पर चर्चा कर सकते हैं।	• पठन सामग्री या कहानियों वाली किताबें ड्राइंग सामग्री या ब्लैकबोर्ड
सप्ताह 7	**मैं कौन हूँ?** चरित्र चित्रण: बच्चों को कहानी के मुख्य पात्रों और उनकी विशेषताओं को पहचानने के लिए कहें और पूरी कक्षा के सामने पढ़ने/सुनाने के लिए प्रोत्साहित करें|	• पठन सामग्री या कहानियों वाली किताबें • मुख्य पात्र और गुणों के कॉलम वाली वर्कशीट
सप्ताह 8	**शाला अखबार** सप्ताह का समाचार पत्र बनाना - बच्चे पिछले सप्ताह या महीने में पढ़ी गई कहानियों के बारे में इस तरह लिख सकते हैं कि यह एक कक्षा का समाचार पत्र बन जाए।	किसी संसाधन की आवश्यकता नहीं
सप्ताह 9	**मासिक विषयवस्तु** • थीम आधारित पठन संबंधी गतिविधियां पूरे वर्ष आयोजित की जा सकती हैं। • अग्रलिखित विषयों से सम्बंधित किताबें जैसे महात्मा गांधी, पर्यावरण, जल संरक्षण, स्वच्छ भारत मिशन, एक भारत श्रेष्ठ भारत, संविधान और मौलिक कर्तव्यों, राष्ट्रीय अवकाश, खेल और दुनिया भर के प्रसिद्ध खिलाड़ी, ओलंपिक और कॉमनवेल्थ गेम्स और टूर्नामेंट से संबंधित	• पठन सामग्री या विषय-आधारित कहानियों पर पुस्तकें

	किताबें हैं। कला, संस्कृति और उत्सव, भारतीय फिल्म अभिनेता आदि।	
सप्ताह 10	**चलो कुछ बनाते हैं** • शिक्षक/अभिभावक कक्षा में बिना आग के कुछ साधारण खाना पकाने की गतिविधियों का संचालन कर सकते हैं और शिक्षार्थियों से उससे संबंधित रेसिपी बुक बनाने के लिए कह सकते हैं। • छात्र अपनी रेसिपी बुक को अगले दिन कक्षा में पढ़ सकते हैं।	• पठन सामग्री या विभिन्न खाद्य पदार्थों की रेसिपी पर किताबें • खाना पकाने की विधि के लिए कार्यपत्रक
सप्ताह 11	**जादू मंत्र** • शिक्षक एक जादूगर की तरह पोशाक पहनकर और अभिनय द्वारा दृश्य सेट कर सकता है। • बच्चों से कुछ रचनात्मक जादुई मंत्र बनाने के लिए कहें और उन्हें लिखकर बताने के लिए कहें की आप इससे क्या करोगे ।	पठन सामग्री या जादू के आकर्षण पर किताबें
सप्ताह 12	**सब कुछ छोड़ो और पढ़ो** • किसी भी एक निश्चित दिन और समय पर स्कूल में (जो छात्र स्कूल आ रहे हैं) या घर पर हरबच्चा कम से कम 20-25 मिनट तक पढ़ेंगे। • इसके लिए एक समय तय किया जा सकता है- उदा. मंगलवार सुबह 11:00 बजे स्कूल में • स्कूल में उपस्थित सभी - छात्र, शिक्षक, कर्मचारी यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि वे इस गतिविधि के लिए तैयार हैं और गतिविधि के लिए कुछ पठन सामग्री लाएँ।	पठन सामग्री जैसे किताब या समाचार पत्र
सप्ताह 13	**अपनी भाषा में कहानी पढ़ना (कहानी पढो अपनी भाषा मैं)** • प्रत्येक वर्ष, 21 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रूप में मनाया जाता है। शिक्षक किसी भी भाषा (क्षेत्रीय/मातृभाषा) में किसी भी पुस्तक का चयन कर विद्यार्थियों को उस कहानी की समीक्षा लिखने/सुनाने के लिए कहें।	किसी भी भाषा में उपलब्ध पुस्तकें
	हमारे महापुरुषों से प्रेरणा • छात्रों को महात्मा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल, सुभाष चंद्र बोस, आदि पर एक किताब या एक निबंध खोजने का कार्य दे । • आगे की गतिविधि के रूप में, छात्रों से किसी की मदद करने जैसा कोई कार्य करने के लिए कहें और इसे नोट करने को कहें। अगले सप्ताह में इसे साझा करने के लिए छात्रों को प्रोत्साहित करें	• सरदार वल्लभभाई पटेल पर कहानियां/निबंध
सप्ताह 14	**पढ़ो और अभिनय करो** • छात्रों को समूहों में काम करने को दिया जाएगा। • उन्हें पढ़ने के लिए एक छोटा नाटक दिया जाएगा। इसके बाद, उन्हें समूह में पढ़ने और इसे नाटक के रूप में तैयार कर प्रदर्शित करने को कहें सामूहिक रूप से मिलकर पढ़ने और नाटक करने का अवसर उन्हें प्रोत्साहन के साथ पढ़ने का अलग आनंद देगा।	पठन सामग्री या नाटक की पुस्तक
	स्कूल पुस्तकालय का एक्सपोजर विजिट प्रत्येक बच्चे को पढ़ी गई पुस्तक के बारे में बताना है जो उन्होंने पुस्तकालय से सप्ताह 4 में पढ़ने के लिए ली थी।	पुस्तकालय की किताबें

नोट: यदि स्कूल बंद हैं, तो स्कूल की लाइब्रेरी में एक्सपोजर विजिट, रीड एंड एक्ट जैसी गतिविधियों को निम्नलिखित गतिविधियों से बदला जाएगा :-

विषय- अपने भोजन को जानें

- शिक्षक/माता-पिता/स्वयंसेवक छात्रों को घर से उन खाद्य पदार्थों की सूची तैयार करने के लिए कहेंगे, जिन्हें उन्होंने पिछले दिनों खाया था।
- अगले दिन वे उन्हें कक्षा/घर में साझा करेंगे।
- वे सबसे पहले खाने की वस्तु का नाम पढ़ने की कोशिस करेंगे
- रोटी, पानी, दूध, चाय, नींबू, दाल, सब्जियां, फल आदि जैसे प्रत्येक खाद्य पदार्थों के नाम की पहली ध्वनि को छात्रों को शिक्षको की सहायता से पढ़ाया जाएगा।
- ये शब्द शिक्षक द्वारा ब्लैकबोर्ड पर लिखे जाएंगे। यदि गतिविधि घर/सामुदायिक केंद्रों पर आयोजित की जाती है तो नाम कागज के एक टुकड़े पर लिखे जा सकते हैं।
- अगले दिन सूची से और शब्द लिए जाएंगे और कक्षा में पढ़े जाएंगे।
- ये शब्द दृष्टि शब्द बन जाते हैं और उन्हें पढ़ने और पहचानने में सक्षम बनाते हैं

विषय- सुनना और साझा करना

- शिक्षक/माता-पिता/स्वयंसेवक छात्रों को टीवी/रेडियो पर किसी भी कार्यक्रम या माता-पिता/दादा-दादी द्वारा बताई गई कहानी को सुनने और देखने के लिए कहेंगे।
- वे कहानी/कार्यक्रम के पात्रों/नामों को सुनेंगे।
- अपने सुनने के कौशल से वे अपने शिक्षक/माता-पिता/स्वयंसेवक को कहानी/कार्यक्रम के नाम के बारे में बताएंगे और शिक्षक/अभिभावक/स्वयंसेवक उन्हें ब्लैक बोर्ड या कागज के किसी टुकड़े पर लिखेंगे।
- अब जब छात्रों के पास ब्लैकबोर्ड/कागज पर पर्याप्त नाम लिखे होंगे, तो छात्रों को नाम पढ़ने के लिए कहा जाएगा।
- कक्षा में वर्ड वॉल बनाई जाएगी और छात्रों को हर सुबह पढ़ने के लिए कहा जाएगा और उनमें से कुछ उस कहानी/कार्यक्रम के बारे में साझा करेंगे जिसे उन्होंने सुना/देखा।

कक्षा 3 से 5 के लिए गतिविधियाँ

हमारा लक्ष्य विकासात्मक एवं सीखने के प्रतिफलों को प्राप्त करना:

- प्रभावी संप्रेषक
    - ✓ आलोचनात्मक और रचनात्मक सोच
    - ✓ विभिन्न प्रकार की सूचनाओं का पता लगाने, समझने और प्रतिक्रिया करने की क्षमता
- सीखने में सक्रीय भागीदार

क्रमांक	गतिविधि	आवश्यक संसाधन
सप्ताह 1	**स्कूल पुस्तकालय को व्यवस्थित करना तथा अवलोकन** • अगर शाला में अतिरिक्त कक्ष उपलब्ध है तो पुस्तकालय के लिए उसे तैयार किया जाए अथवा कक्षा के किसी एक कोने को रीडिंग कार्नर के रूप में विकसित किया जाए. • रीडिंग कॉर्नर (पठन कोनों) में पुस्तकों को प्रदर्शित करने की उचित व्यवस्था बनाई जाये । पुस्तकों को इस तरह प्रदर्शित किया जाना चाहिए कि बच्चे अपनी पसंद की पुस्तक चुन सकें। • सभी बच्चे स्कूल के पुस्तकालय/कार्नर में जाएँ और उपलब्ध पुस्तकों को देखें। • प्रत्येक बच्चे को चौथे सप्ताह में पढ़ने और उसके बारे में बताने के लिए उसके पठन स्तर अनुरूप एक पुस्तक स्वयं चुनने के अवसर दिए जाएँ । • घर पर किताब पढ़ते समय परिवार के एक वयस्क को बच्चे के प्रोत्साहित करने के लिए साथ होना चाहिए ।	पुस्तकालय की किताबें
	गोले में बैठने का समय • छात्र एक गोल घेरे में बैठते हैं और शिक्षक उन्हें एक वाक्य देकर और दृश्य सेट करके कहानी शुरू करते हैं। • प्रत्येक छात्र एक-एक वाक्य जोड़ते हुए कहानी को आगे बढ़ाते हैं और पूरी करते ।	किसी संसाधन की आवश्कता नहीं
सप्ताह 2	**पोशाक पहन कर तैयार हो और बताओ** • छात्र अपने पसंदीदा लेखक/कवि के रूप में तैयार होते हैं और कक्षा में उस चरित्र की कहानी/कविता पढ़ते हैं। • यह दूसरों को उनके बारे में पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करेगा।	•विभिन्न लेखक/ कवि के चित्र •उन लेखकों/कवियों की कहानियां/कविताएं की किताब
सप्ताह 3	**कहानी के अंत को बदलो** • शिक्षक बच्चों को कहानी पढ़कर सुनाएँ (कोई नैतिक महत्त्व वाली कहानी) और बच्चों से उसका अंत बदलने के लिए कहें। • प्रमुख नायक के रूप में, दी गई स्थिति में वह कैसे कार्य करते, बताने को कहें ?.	कहानी की किताब
	दृश्य निर्माण • शिक्षक कक्षा को 4 या 5 समूहों में विभाजित करता है। • शिक्षक बच्चों को एक दृश्य और पात्रों के बारे में बताते हैं (उदाहरण के लिए: पुराना किला/रेगिस्तान/खेल का मैदान, राजा/रानी/ड्रैगन/किसान/ऊंट/जादूगर/बच्चों का वर्णन करता है। • फिर शिक्षक उन्हें एक छोटी कहानी बनाने के लिए कहते हैं जिसे समूह के सदस्यों में से एक द्वारा जोर से पढ़ा जा सकता है।	कहानियों की किताब

सप्ताह 4	**स्कूल पुस्तकालय अवलोकन** • प्रत्येक बच्चे को पढ़ी गई पुस्तक के बारे में बताना है जो उन्होंने पुस्तकालय से सप्ताह 1 में पढ़ने के लिए ली थी। • हर सप्ताह पढ़ने के लिएबच्चों को पठन स्तर अनुरूप उपयुक्त पुस्तकें पढ़ने के लिए दें ।	पुस्तकालय की किताबें
सप्ताह 5	**लोक-साहित्य का आनंद** शिक्षक" एक भारत श्रेष्ठ भारत" कार्यक्रम के तहत भागीदार राज्य की समृद्ध विरासत से एक दिलचस्प लोक कथा का चयन कर सकते हैं और इसे कक्षा में पढ़ सकते हैं और कुछ छात्रों को इसे बनाने के लिए कह सकते हैं।	राज्यों की लोक कथा पुस्तकें
सप्ताह 6	**साहित्यिक कैलेंडर** • छात्र विभिन्न लेखकों/कवियों की जन्मतिथि अंकित करके और उनकी कृतियों को सूचीबद्ध करके एक साहित्यिक कैलेंडर तैयार कर सकते हैं। • इस सूची से वे पढ़ने के लिए कोई पुस्तक/कविता चुन सकते हैं।	कैलेंडर कहानी/कविता पुस्तकें
सप्ताह 7	**बोलो , बोलो** • इस गतिविधि को जोड़ियों में आयोजित करने की आवश्यकता है। एक छात्र लेखक बनता है और दूसरा लेखक द्वारा रचित काल्पनिक चरित्र। • दोनों छात्रों को जोड़ी में एक किताब पढ़ने को दें । • किताब पढ़ने के बाद वे एक दूसरे से 5 प्रश्न पूछते हैं।	विभिन्न काल्पनिक पात्रों पर पठन सामग्री या पुस्तकें
सप्ताह 8	**सामान और उपयोग** • शिक्षक, छात्रों के लिए विभिन्न सामान (जैसे मुकुट, तलवार, बर्तन, दस्ताने, अंगूठी, छड़ी, आदि) बनाएँगे अथवा सूची तैयार करेंगे । • अब बच्चों को इस सामान या सूचि से कोई एक चुनने के लिए कहें (यदि बच्चे घर पर होंगे तो शिक्षक बच्चों को किसी एक सामान का नाम देंगे) चुनने के बाद बच्चे इस सामान के बारे में लिखेंगे कि वे एक अच्छा काम करने के लिए इस सामान का उपयोग कैसे करेंगे। • फिर प्रत्येक छात्र अपने लिखे हुए को पूरी कक्षा में पढ़ेंगे ।	विभिन्न तरह का सामान
सप्ताह 9	**कविता पाठ** • बच्चों से कहें की वह अपनी पसंद की कोई कविताएं पढ़ें/सुनाएँ । • बच्चों को खुद से कोई कविता बनाने और फिर पूरी कक्षा को सुनाने के लिए कहें ।	कविता की किता
सप्ताह 10	**मेरी कहानी, मेरी जुबानी** • प्रत्येक छात्र किसी भी एक चीज को चुनता है जैसे नदी, पेड़, गेहूँ, बैल आदि और उनकी जीवन यात्रा बनाता है। • जीवन यात्रा बनाने के बाद वह कक्षा में सबको पढ़कर सुनाता है । जो बच्चे अभी लिख नहीं सकते वह बोलकर ही उस चीज के बारे में बताएँगे ।	विभिन्न प्राकृतिक वस्तुओं के यात्रा क सामग्री या किताबें पढ़ना
	नानी दादी की कहानी • हमें हमारे दादा-दादी द्वारा बताई गई कहानी से बेहतर कुछ नहीं लगता। शिक्षक, शिक्षार्थियों को उनके दादा-दादी द्वारा उन्हें बताई गई एक कहानी सुनाने/लिखने और उन्होंने इससे क्या सीखा लिखने के लिए कहते हैं। • फिर प्रत्येक छात्र इसे कक्षा में पढ़ता है • फिर वे इस तरह के किसी भी संग्रह को पढ़ सकते हैं (सुधा मूर्ति की दादी की कहानियों का थैला है।	किसी संसाधन की आवश्यकता नही

सप्ताह 11	**किसी किताबा का आवरण पृष्ठ बनाना** • शिक्षक बच्चों को उनके द्वारा पढ़ी गई किसी एक किताब का आवरण पृष्ठ (कवर पेज) बनाने के लिए कहें।	पठन सामग्री या कहानियों वाली किताबें डिजाइन सामग्री
सप्ताह 12	**सब कुछ छोड़ो और पढ़ो** • किसी भी एक निश्चित दिन और समय पर स्कूल में (जो छात्र स्कूल आ रहे हैं) या घर पर हरबच्चा कम से कम 20-25 मिनट तक पढ़ेंगे। • इसके लिए एक समय तय किया जा सकता है- उदा. मंगलवार सुबह 11:00 बजे स्कूल में • स्कूल में उपस्थित सभी - छात्र, शिक्षक, कर्मचारी यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि वे इस गतिविधि के लिए तैयार हैं और गतिविधि के लिए कुछ पठन सामग्री लाएँ।	पठन सामग्री जैसे किताबें या समाचार पत्र
सप्ताह 13	**अपनी भाषा में कहानी पढ़ना (कहानी पढो अपनी भाषा मैं)** • प्रत्येक वर्ष, 21 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रूप में मनाया जाता है। • शिक्षक किसी भी भाषा (क्षेत्रीय/मातृभाषा) में किसी भी पुस्तक का चयन कर विद्यार्थियों को उस कहानी की समीक्षा लिखने/सुनाने के लिए कहें।	किसी भी भाषा में उपलब्ध पुस्तकें
सप्ताह 14	**अगर मैं .....होता** • शिक्षक छात्रों को नाविक/सैनिक/वैज्ञानिक/डॉक्टर/महापुरुष/स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आदि में से कोई एक चुनने के लिए कहें। फिर उन्हें उससे सम्बंधित किसी एक प्रमुख व्यक्तित्व के बारे में एक कहानी पढ़ने और कक्षा में इस बारे में बात करने के लिए कहें कि उन्होंने दुनिया को एक बेहतर जगह कैसे बनाया।	पठन सामग्री या विभिन्न पेशे पर किताबें
	स्कूल पुस्तकालय अवलोकन प्रत्येक बच्चे को उन पुस्तकों के बारे में बताने के लिए जिसे उन्होंने पुस्तकालय से पढ़ने के लिए ली थी।	पुस्तकालय की किताबें

नोट: यदि स्कूल बंद हैं, तो स्कूल की लाइब्रेरी में एक्सपोजर विजिट, रीड एंड एक्ट जैसी गतिविधियों को निम्नलिखित गतिविधियों से बदला जाएगा :-

विषय- अपने भोजन को जानें

- शिक्षक/माता-पिता/स्वयंसेवक छात्रों को घर से उन खाद्य पदार्थों की सूची तैयार करने के लिए कहेंगे, जिन्हें उन्होंने पिछले दिनों खाया था।
- अगले दिन वे उन्हें कक्षा/घर में साझा करेंगे।
- वे सबसे पहले खाने की वस्तु का नाम पढ़ने की कोशिस करेंगे
- रोटी, पानी, दूध, चाय, नींबू, दाल, सब्जियां, फल आदि जैसे प्रत्येक खाद्य पदार्थों के नाम की पहली ध्वनि को छात्रों को शिक्षको की सहायता से पढ़ाया जाएगा।
- ये शब्द शिक्षक द्वारा ब्लैकबोर्ड पर लिखे जाएंगे। यदि गतिविधि घर/सामुदायिक केंद्रों पर आयोजित की जाती है तो नाम कागज के एक टुकड़े पर लिखे जा सकते हैं।
- अगले दिन सूची से और शब्द लिए जाएंगे और कक्षा में पढ़े जाएंगे।
- ये शब्द दृष्टि शब्द बन जाते हैं और उन्हें पढ़ने और पहचानने में सक्षम बनाते हैं

विषय- सुनना और साझा करना

- शिक्षक/माता-पिता/स्वयंसेवक छात्रों को टीवी/रेडियो पर किसी भी कार्यक्रम या माता-पिता/दादा-दादी द्वारा बताई गई कहानी को सुनने और देखने के लिए कहेंगे।
- वे कहानी/कार्यक्रम के पात्रों/नामों को सुनेंगे।
- अपने सुनने के कौशल से वे अपने शिक्षक/माता-पिता/स्वयंसेवक को कहानी/कार्यक्रम के नाम के बारे में बताएंगे और शिक्षक/अभिभावक/स्वयंसेवक उन्हें ब्लैक बोर्ड या कागज के किसी टुकड़े पर लिखेंगे।
- अब जब छात्रों के पास ब्लैकबोर्ड/कागज पर पर्याप्त नाम लिखे होंगे, तो छात्रों को नाम पढ़ने के लिए कहा जाएगा।
- कक्षा में वर्ड वॉल बनाई जाएगी और छात्रों को हर सुबह पढ़ने के लिए कहा जाएगा और उनमें से कुछ उस कहानी/कार्यक्रम के बारे में साझा करेंगे जिसे उन्होंने सुना/देखा।

कक्षा 6 से 8 के लिए गतिविधियाँ

हमारा लक्ष्य विकासात्मक एवं सीखने केअग्रलिखित प्रतिफलों को प्राप्त करना:

- प्रभावी संप्रेषक
    - ✓ आलोचनात्मक और रचनात्मक सोच
    - ✓ विभिन्न प्रकार की सूचनाओं का पता लगाने, समझने और प्रतिक्रिया करने की क्षमता
- सीखने में सक्रीय भागीदार

सप्ताह क्रमांक	गतिविधि	आवश्‍यक संसाधन
सप्ताह 1	**स्कूल पुस्तकालय को व्यवस्थित करना तथा अवलोकन** • अगर शाला में अतिरिक्त कक्ष उपलब्ध है तो पुस्तकालय के लिए उसे तैयार किया जाए अथवा कक्षा के किसी एक कोने को रीडिंग कार्नर के रूप में विकसित किया जाए. • रीडिंग कॉर्नर (पठन कोनों) में पुस्तकों को प्रदर्शित करने की उचित व्यवस्था बनाई जाये । पुस्तकों को इस तरह प्रदर्शित किया जाना चाहिए कि बच्चे अपनी पसंद की पुस्तक चुन सकें। • सभी बच्चे स्कूल के पुस्तकालय/कार्नर में जाएँ और उपलब्ध पुस्तकों को देखें। • प्रत्येक बच्चे को चौथे सप्ताह में पढ़ने और उसके बारे में बताने के लिए उसके पठन स्तर अनुरूप एक पुस्तक स्वयं चुनने के अवसर दिए जाएँ । • घर पर किताब पढ़ते समय परिवार के एक वयस्क को बच्चे के प्रोत्साहित करने के लिए साथ होना चाहिए ।	पुस्तकालय की किताबें
सप्ताह 2	**पढ़ें और लिखें** • इस गतिविधि के माध्यम से, छात्र पढ़ना सीखते हैं और किसी दिए गए विषय पर कहानियां भी बनाते हैं। • शिक्षक सभी छात्रों को पढ़ने के लिए एक कहानी दे सकते है। • शिक्षक कहानी से कोई भी **5-8** वस्तुएँ उठाता है (उदाहरण के लिए- कहानी में साइकिल, गुलाब, पेड़, पत्ते, जानवर आदि वस्तुओं का संदर्भ उठाया जा सकता है) • छात्रों को शिक्षक द्वारा सौंपी गई वस्तुओं का उपयोग करके एक नई कहानी बनाने के लिए कहा जाता है • छात्रों की कहानियों को आगे कक्षा में सुना जाता है	कहानी की किताबें
सप्ताह 3	**कविता पाठ** • छात्रों को अपनी पसंद के कवियों की कविता पढ़ने के लिए कहा जाता है या शिक्षक एवं परिवार द्वारा अनुशंसित।	गीत/कविता किताबें
सप्ताह 4	**दोस्तों के साथ आनंद के लिए पढ़ें** • प्रत्येक छात्र को कोई भी लघु कहानी चुनने के लिए कहा जाता है जिसे वह पहले पढ़ चुका है और बहुत पसंद करता है। • उसे यह कहानी निचली कक्षाओं कक्षा के किसी अन्य छात्र/छोटे भाई-बहन को पढ़ने के लिए कहा जाता है। इस शिक्षकों की देखरेख में किया जा सकता है या माता - पिता। वरिष्ठ छात्र, जो पाठक है, को कहानी को रोचक बनाने के लिए अपनी आवाज़ को संशोधित करने और अभिव्यक्ति के साथ पढ़ने के लिए कहा जाता है।	किसी संसाधन की आवश्कता नही

	स्कूल पुस्तकालय अवलोकन प्रत्येक बच्चे को उन पुस्तकों के बारे में बताने के लिए जिसे उन्होंने पुस्तकालय से पढ़ने के लिए ली थी । 14 सप्ताह तक पढ़ने के लिए बच्चों के पठन स्तर अनुरूप पुस्तक उन्हें पढ़ने के लिए जारी करें।	पुस्तकालय की किताबें
सप्ताह 5	**चरित्र जांच** • कक्षा को पढ़ने के लिए एक छोटी कहानी दीजिए • सभी बच्चों द्वारा कहानी पढ़ने के बाद एक नाटकीय साक्षात्कार का आयोजन करना है जिसमें कुछ बच्चे कहानी के मुख्य पात्रों की भूमिका में रहेंगे तथा बाकी साक्षात्कारकर्ता की भूमिका में • साक्षात्कारकर्ता पात्रों से प्रश्न पूछेंगे। इस पूरी बातचीत को शिक्षक संचालित करेंगे	पठन सामग्री या कहानियों वाली किताबें
सप्ताह 6	**गीत के बोलों / रेसिपी का विश्लेषण** • शिक्षक स्थानीय या फ़िल्मी गीतों की 5-6 लिरिक (बोल) अथवा स्थानीय व्यंजनों के की रेसीपी ले सकते हैं • प्रत्येक छात्र को सबसे पहले एक गीत/रेसिपी चुनने के लिए कहें • प्रत्येक छात्र चुने हुए गीत का साहित्यिक विश्लेषण कर सकता है जैसे गीत का सन्दर्भ, संदेश और भावनाएं आदि • यदि यह व्यंजन है, तो छात्र को व्यंजन का विश्लेषण करने और केवल सीमित सामग्री का उपयोग करके इसे फिर से बनाने के लिए कहा जा सकता है। वैकल्पिक रूप से, छात्र को अपने दादा-दादी के स्वाद के अनुरूप बनाने के लिए व्यंजन को फिर से बनाने के लिए कहा जा सकता है।	पकाने की विधि/गीत कार्यपुस्तिका
सप्ताह 7	**किताब की अनुसंशा** • प्रत्येक छात्र को एक पुस्तक के बारे में सोचने के लिए कहें जिसे वे अपने मित्र को पढ़ने के लिए सुझाएंगे (वे शिक्षक द्वारा प्रदान की गई पठन सूचियों का उल्लेख कर सकते हैं)। • चुनी हुई पुस्तक से, प्रत्येक छात्र को सबसे नकारात्मक चरित्र का सारांश लिखने के लिए कहें।	• पुस्तकों के नाम वाली सूची जो छात्र पढ़ सकते हैं
सप्ताह 8	**पढ़ो और अभिनय करो** • छात्रों को समूहों में काम करने को दिया जाएगा। • उन्हें पढ़ने के लिए एक छोटा नाटक दिया जाएगा। • इसके बाद, उन्हें समूह में पढ़ने और इसे नाटक **के** रूप में तैयार कर प्रदर्शित करने को कहें सामूहिक रूप से मिलकर पढ़ने और नाटक करने का अवसर उन्हें प्रोत्साहन के साथ पढ़ने का अलग आनंद देगा।	नाटक की पुस्तक
सप्ताह 9	**एक भारत श्रेष्ठ भारत के लिए पठन** • छात्र 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के तहत भागीदार राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों पर जोड़ियों में शोध करते हैं और राज्य के बारे में उपलब्ध पाठ्य सामग्री की तलाश करते हैं • पढ़ने के बाद छात्रों का प्रत्येक जोड़ा उनके पढ़ने के आधार पर एक कोलाज (राज्य के बारे में) बनाता है और उसे विवरण के साथ कक्षा में प्रस्तुत करता है।	• राज्यों के बारे में पठन सामग्री • कोलाज बनाने के लिए वर्कशीट

सप्ताह 10	**स्थानीय वनस्पति की खोज** • वर्ष 2021 को संयुक्त राष्ट्र द्वारा फलों और सब्जियों का वर्ष घोषित किया गया है। • छात्रों को स्थानीय फलों और सब्जियों, उनकी किस्मों और विशेष विशेषताओं के बारे में सप्ताह के दौरान (लाइब्रेरी और कंप्यूटर अवधि के दौरान) जानकारी का पता लगाने का काम दिया जा सकता है। • विज्ञान शिक्षक एकत्रित सामग्री की स्क्रीनिंग करेंगे। वह विषय पर कुछ और प्रासंगिक रीडिंग जोड़ सकते हैं।	• फलों और सब्जियों पर पुस्तकें • स्थानीय फलों और सब्जियों पर वर्कशीट
सप्ताह 11	**दिलचस्प मोड़** • तयारी के रूप में शिक्षक एक दिलचस्प कहानी (थ्रिलर या सस्पेंस) का चयन करेंगे। इसके बाद छात्रों को छोटे समूहों में विभाजित करना होगा। • एक समूह इस कहानी को कक्षा में पढ़ेगा| • इसके बाद, शिक्षक अन्य समूहों/विद्यार्थियों से कहानी समाप्त होने के तरीके को बदलकर कहानी को एक न्य मोड़ देने के लिए कहेंगे ।	• कहानी की किताबें
सप्ताह 12	**कविता पाठ** • बच्चों से कहें की वह अपनी पसंद की कोई कविताएं पढ़ें/सुनाएँ । • बच्चों को खुद से कोई कविता बनाने और फिर पूरी कक्षा को सुनाने के लिए कहें ।	कविता की किताबें
	सब कुछ छोड़ो और पढ़ो • किसी भी एक निश्चित दिन और समय पर स्कूल में (जो छात्र स्कूल आ रहे हैं) या घर पर हरबच्चा कम से कम 20-25 मिनट तक पढ़ेंगे। • इसके लिए एक समय तय किया जा सकता है- उदा. मंगलवार सुबह 11:00 बजे स्कूल में स्कूल में उपस्थित सभी - छात्र, शिक्षक, कर्मचारी यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि वे इस गतिविधि के लिए तैयार हैं और गतिविधि के लिए कुछ पठन सामग्री लाएँ|	पठन सामग्री जैसे किताबें या समाचार पत्र
सप्ताह 13	**अखबार/पत्रिका में खोजो** • छात्रों को समाचार पत्र/पत्रिका में वस्तुओं/शहरो/नामों आदि को खोजकर उनकी सूची बनाने को कहा जा सकता है • छात्र अख़बार/पत्रिका की किसी ख़बर या लेख को पढ़कर इसका एक संक्षिप्त सारांश लिख सकते हैं	• समाचार पत्र/पत्रिका • संक्षिप्त सारांश लिखने के लिए कार्यपत्रक
	अपनी भाषा में कहानी पढ़ना (कहानी पढो अपनी भाषा में) • प्रत्येक वर्ष, 21 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रूप में मनाया जाता है। • शिक्षक किसी भी भाषा (क्षेत्रीय/मातृभाषा) में किसी भी पुस्तक का चयन कर विद्यार्थियों को उस कहानी की समीक्षा लिखने/सुनाने के लिए कहें।	किसी भी भाषा में उपलब्ध पुस्तकें
सप्ताह 14	**हमारे महापुरुषों से प्रेरणा** • छात्रों को महात्मा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल, सुभाष चंद्र बोस, आदि पर एक किताब या एक निबंध खोजने का कार्य दे । • आगे की गतिविधि के रूप में, छात्रों से किसी की मदद करने जैसा कोई कार्य करने के लिए कहें और इसे नोट करने को कहें| • अगले सप्ताह में इसे साझा करने के लिए छात्रों को प्रोत्साहित करें	• सरदार वल्लभभाई पटेल पर कहानियां/निबंध

	स्कूल पुस्तकालय अवलोकन प्रत्येक बच्चे को उन पुस्तकों के बारे में बताने के लिए जिसे उन्होंने पुस्तकालय से पढ़ने के लिए ली थी।	

नोट: यदि स्कूल बंद हैं, तो स्कूल पुस्तकालय अवलोकन , पात्रों का चरित्र चित्रण जैसी गतिविधियों को निम्नलिखित गतिविधियों से बदला जा सकता है :-

उल्टा पढ़ना

- रिवर्स रीडिंग के अंतर्गत पेज या पैराग्राफ के अंत से शब्दों को पढ़ना है जैसे वाक्य है – **'राम स्कूल जाता है'** तो इसे बच्चे पढ़ेंगे **'है जाता स्कूल राम'**
- अनुच्छेद/पृष्ठ की शुरुआत में, बच्चे दाएँ से बाएँ पढ़ने की प्रवृत्ति रखते हैं और प्रत्येक पंक्ति के लिए उसी तरह जारी रखते हैं।
- इससे आलोचनात्मक सोच विकसित होती है और साथ ही बच्चों में पढ़ने के प्रति आत्मविश्वास का विकास होता है। यह गतिविधि उच्च प्राथमिक बच्चों के साथ आयोजित की जा सकती है।

सीधा उल्टा पढ़ना (Zigzag Reading)

- जिगज़ैग रीडिंग शब्दों/पाठ को बाएँ से दाएँ और फिर दाएँ से बाएँ पढ़ना।
- बच्चे पूरी सामग्री/पाठ्य/पैराग्राफ के लिए ज़िग ज़ैग तरीके से उसी पैटर्न में पढ़ने की प्रक्रिया को दोहराएंगे।
- जिगज़ैग रीडिंग से बच्चे तेजी से पढ़ने में सक्षम होंगे।

अतिरिक्त गतिविधि

संख्या पढ़ना

- शिक्षक छात्रों को सड़क पर दिखाई देने वाले कोई भी दो वाहन नंबर (चार नंबर) लिखने और प्राप्त करने के लिए कहेंगे।
- अगले दिन, प्रत्येक बच्चा लिखे गए नंबरों को पढ़ने की कोशिश करेगा और फैसिलिटेटर इसे बोर्ड पर नोट कर लेगा।
- अब दूसरे बच्चे को इन नंबरों वगैरह को पढ़ने के लिए कहा जाएगा.
- उनके द्वारा लाए गए वाहन नंबरों को पढ़ने के लिए साथियों को एक दूसरे के साथ शामिल किया जाएगा।

संख्या पढ़ने का कार्य - अपने स्कूल को जानें

- शिक्षक छात्रों को स्कूल के दौरे पर ले जाएगा।
- उन्हें चारों ओर लिखी गई संख्याओं का निरीक्षण करने के लिए कहा जाएगा।
- कमरों पर कमरा नंबर लिखा हुआ है।
- कक्षा में वापस आने के बाद, वे अपने आस-पास देखी गई किन्हीं दो से तीन संख्याओं को याद करेंगे।
- ये नंबर फैसिलिटेटर द्वारा बोर्ड पर लिखे जाएंगे।
- शिक्षक अन्य छात्रों से बोर्ड पर लिखे नंबरों के बारे में पूछेगा।

पढ़ने का कार्य - अपने विद्यालय को जानो

- शिक्षक छात्रों को स्कूल में घुमाने ले जाएंगे और उन्हें अपने आसपास का निरीक्षण करने के लिए कहें।
- उन्हें आसपास जो लिखा है उसे पढ़ने की कोशिश करने के लिए कहा जाएगा उदा। प्रधान कक्ष, कार्यालय, वाशरूम-लड़का/लड़की या पुरुष/महिला, लैब, बिन, पहली मंजिल, दूसरी मंजिल आदि जैसे शब्द।
- छात्र वापस आएंगे और फैसिलिटेटर को यह बताकर जो कुछ उन्होंने देखा उसे साझा करेंगे। छात्रों को सटीक वर्तनी याद नहीं हो सकती है, लेकिन फिर भी वे वर्तनी को बताने का प्रयास कर सकते हैं।
- ये शब्द तब दृष्टि शब्द बन जाएंगे और उन्हें याद रखने के लिए कहा जाएगा क्योंकि उन्हें रोजाना पढ़ा जाएगा।
- इन शब्दों को वर्ड वॉल पर चिपकाया जाएगा।